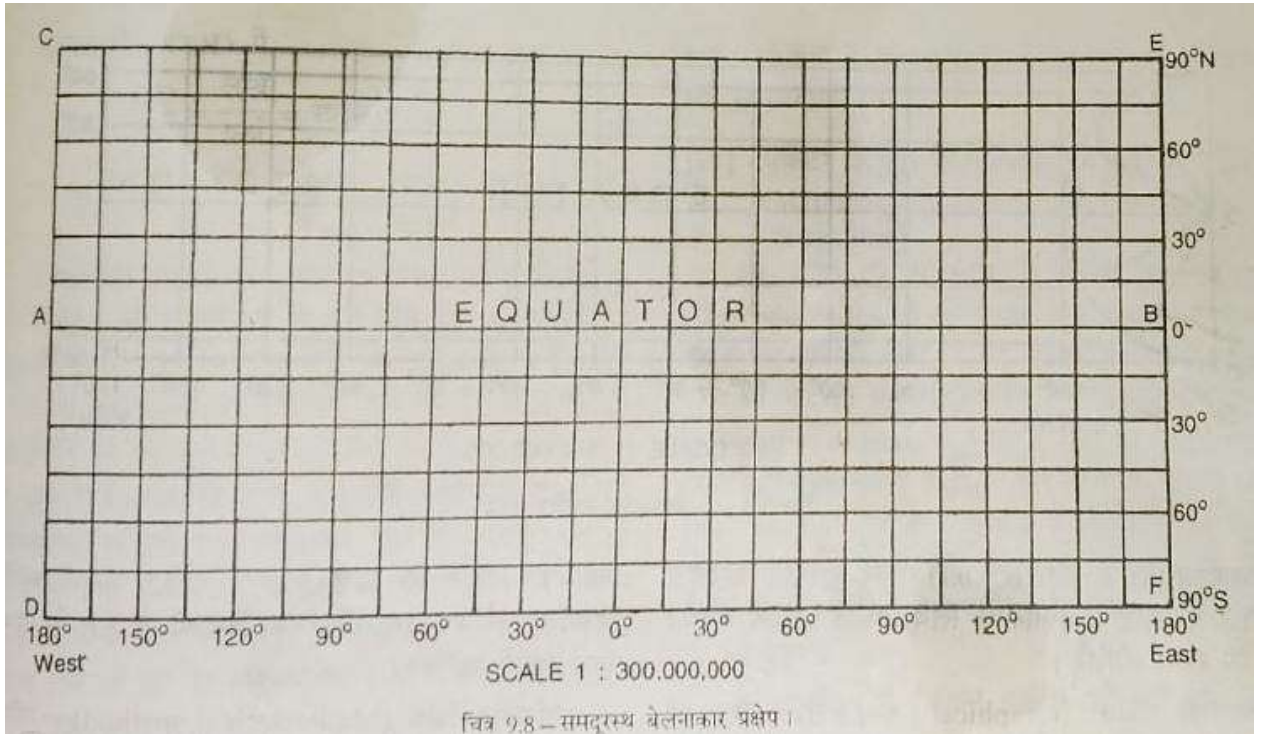


बेलनाकार समदूरस्थ प्रक्षेप (Cylindrical Equidistant Projection)

बोलेंद्र कुमार अगम,
सहायक प्राध्यापक भूगोल,
राजा सिंह कॉलेज सिवान

इस प्रक्षेप में अक्षांश वृत्त एवं देशांतर रेखाएं परस्पर समान दूरी के अंतर पर बनाई जाती हैं अतः इसे समदूरस्थ बेलनाकार या प्लेट कैरी (Plate Carree) प्रक्षेप नाम से पुकारा जाता है। इस प्रक्षेप की रचना अत्यंत सरल होती है।



चित्र 9.8 - समदूरस्थ बेलनाकार प्रक्षेप।

चित्र स्रोत : प्रायोगिक भूगोल, रस्तोगी प्रकाशन, जे० पी० शर्मा

पहचान (Identification)

1. अक्षांश वृत्त एवं देशांतर रेखाएं एक समान दूरी पर बनी होने के कारण यह प्रक्षेप वर्गों से निर्मित रेखाजाल के समान होता है।
2. प्रत्येक अक्षांश वृत्त की लंबाई भूमध्य रेखा के बराबर होती है। समस्त अक्षांश वृत्त सरल एवं समांतर रेखाओं की तरह होते हैं।
3. देशांतर रेखाएं भी सरल एवं समांतर होती हैं तथा यह अक्षांश वृत्त को समकोण पर काटती हैं।

4. प्रक्षेप में प्रत्येक देशांतर रेखा की लंबाई भूमध्य रेखा की आधी होती है ।

गुणधर्म (Properties)

1. प्रक्षेप में समस्त अक्षांश वृत्त भूमध्यरेखा से सही दूरी पर बने होते हैं, अतः प्रत्येक देशांतर पर मापनी शुद्ध होती है ।
2. भूमध्यरेखा, जहां कागज का बेलन ग्लोब को स्पर्श करता है, पर मापनी शुद्ध होती है ।
3. भूमध्य रेखा को छोड़कर शेष सभी अक्षांश वृत्त अपनी वास्तविक लंबाई से बड़े होते हैं । अतः उन पर मापनी अशुद्ध होती है । अक्षांश वृत्तों पर मापनी की अशुद्धता भूमध्यरेखा से ध्रुवों की ओर को बढ़ती जाती है अर्थात् अक्षांशों की तुलना में उच्च अक्षांशों पर अधिक अशुद्ध होती है ।
4. प्रक्षेप में ध्रुवों को भूमध्य रेखा के बराबर लंबी रेखाओं के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है जिससे अक्षांश वृत्तों पर मानी अशुद्ध होने का सहज अनुमान लगाया जा सकता है ।

उपयोग (Use)

यह प्रक्षेप ना तो यथाकृतिक है और न ही इसमें समक्षेत्र का गुण है । प्रक्षेप में भूमध्यरेखा के समीप आकृति एवं क्षेत्रफल कुछ-कुछ सही प्रदर्शित हो जाते हैं । अतः भूमध्यरेखीय क्षेत्रों के मानचित्र बनाने के लिए इस प्रक्षेप का सीमित प्रयोग होता है । उच्च अक्षांश में स्थित क्षेत्रों अथवा संसार के मानचित्र बनाने के लिए यह प्रक्षेप उपयोगी नहीं है ।